टिप्पणी

तपेदिक का परीक्षण सकारात्मक पाए जाने के बाद तपेदिक कई वर्षों तक उसी रूप में विद्यमान रहती है, आई.एन.एच. लेने के बाद भी । यदि तपेदिक संबंधी स्थिति के प्रमाण की आवश्यकता हो, तो नीचे दिया गया रिकार्ड प्रस्तुत करें।

तपेदिक संबंधी त्वचा परीक्षण (पी.पी.डी.)

नामः ______________________________

तारीखः ______________________________

परिणाम जानने के लिए क्लीनिक में दोबारा आने की तारीख/समयः

____

____

जानने की तारीखः ______________________________

परिणाम (एम.एम.): ______________________________

यदि परिणाम सकारात्मक हो तो छाती का एक्स–रे कराने के लिए ली गई तारीख/समयः

____

3काउंटी स्वास्थ्य विभाग

The Florida Department of Health

Bureau of TB and Refugee Health

DH 150-821, 10/04

तपेदिक संबंधी त्वचा परीक्षण

यह बताता है:
कौन संक्रमित है?
इसका क्या अर्थ है?

तपेदिक

Hindi Version

तपेदिक क्या है?

तपेदिक एक ऐसी बीमारी है जो हवा के जरिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है। पुराने समय में तपेदिक को "राजयक्ष्मा" भी कहा जाता था। जब कोई व्यक्ति खांसता, छींकता, हंसता या गाता है तो तपेदिक के कीटाणु हवा में फैल जाते हैं। तपेदिक आम तौर पर फेफड़ों को प्रभावित करती है लेकिन यह शरीर के अन्य हिस्सों जैसे मस्तिष्क, गुर्दा और मेरुदण्ड को भी प्रभावित कर सकती है। कुछ लोग जो तपेदिक के कीटाणुओं से संक्रमित हैं, उन्हें आगे चलकर तपेदिक की बीमारी हो जाएगी।

तपेदिक के लक्षण

सामान्य लक्षण हैं – लम्बे समय तक खांसी रहना, थकान होना, रात को पसीना आना, अकारण वजन में कमी या बुखार होना, भूख न लगना या खांसने पर खून आना। ये लक्षण प्रायः अन्य बीमारियों के भी होते हैं अतः डॉक्टर को अवश्य दिखा लेना चाहिए।

त्वचा परीक्षण

तपेदिक संबंधी त्वचा परीक्षण का प्रयोजन यह पता लगाना है कि कहीं आप उन कीटाणुओं (जीवाणु) से संक्रमित तो नहीं जो तपेदिक फैलाते हैं।

यह कैसे किया जाता है?

हानिरहित तपेदिक प्रोटीन की थोड़ी सी मात्रा त्वचा की ऊपरी सतह में, सामान्यतः बाजू पर, इन्जेक्टड कर दी जाती है।

इससे क्या पता चलता है?

दवा देने के 48 से 72 घंटे के बाद परीक्षण वाली जगह की जांच की जाती है। यदि परिणाम नकारात्मक या नगण्य हो तो इसका अर्थ प्रायः यह होता है कि आप तपेदिक के कीटाणु से संक्रमित नहीं हैं। परन्तु, कुछ दवाइयां या चिकित्सा अवस्थाएं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करती हैं, गलत नकारात्मक परीक्षण परिणाम दे सकती हैं। त्वचा परीक्षण कराने से पहले इसके बारे में परीक्षण करने वाले व्यक्ति से बातचीत कर लें।

यदि परीक्षण सकारात्मक या सार्थक हो (परीक्षण वाली जगह पर सूजन, संभावित लालीमा और/या फफोला पड़ जाए) तो इसका अर्थ है कि आप तपेदिक से संक्रमित हैं और अब आपके शरीर में वे कीटाणु मौजूद हैं जो तपेदिक की बीमारी फैलाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि आपको तपेदिक की बीमारी है या यह कि आप इससे किसी दूसरे व्यक्ति को संक्रमित कर सकते हैं। छाती का एक्स–रे तथा संभवतः अन्य परीक्षण किए जाने चाहिएं ताकि यह पता लग सके कि क्या आपको तपेदिक है? कभी–कभी कोई परीक्षण "संदिग्ध" हो सकता है। इसके लिए संभवतः, दोबारा परीक्षण करना आवश्यक होगा। परीक्षणकर्ता आपको बताएगा कि यह क्यों जरूरी है।

किसका परीक्षण किया जाना चाहिए?

तपेदिक के अधिक जोखिम वाले क्षेत्र मे रहने वाले व्यक्तियों का नियमित अंतराल पर दोबारा परीक्षण किया जाना चाहिए। ऐसे व्यक्ति जो तपेदिक से पीड़ित किसी व्यक्ति के संपर्क में रह चुके हैं, की जितनी जल्दी हो सके जांच की जानी चाहिए। ऐसा कोई व्यक्ति जिसके एच.आई.वी. विषाणु से संक्रमित होने की संभावना हो या जो संक्रमित हो, का भी परीक्षण किया जाना चाहिए।

यह कैसे फैलता है?

जब आप सक्रिय तपेदिक के किसी मरीज के आसपास रहकर श्वास लेते हैं तो तपेदिक के कीटाणु श्वास द्वारा आपके फेफड़ों में प्रवेश कर जाते हैं। यह प्रायः घर पर, जहां आप काम करते हैं या जहां आप अपना अधिकांश खाली समय गुजारते हैं, वहां होती है। यह खुली हवा में थोड़े समय के लिए रहने या आकस्मिक संपर्क में आने से नहीं होती। प्रायः संक्रमण के स्रोत का पता नहीं चल पाता और हो सकता है कि आप वर्षों पहले अनजाने मे संक्रमित हो गए हों।

मैं क्या कर सकता हूं?

यदि आप संक्रमित हो जाते हैं तो आपको अपने जीवन काल में कभी भी तपेदिक की बीमारी हो सकती है। यदि आपकी छाती का एक्स–रे सामान्य है और आप में तपेदिक के कोई लक्षण नहीं हैं तो अभी और भविष्य में तपेदिक की बीमारी से बचने के लिए दवाई द्वारा उपचार की सलाह दी जा सकती है। इसके लिए,सर्वाधिक प्रयोग में लाई जाने वाली औषधि आइसोनियाजिड (आई.एन.एच.) कहलाती है और इसे डॉक्टर की सलाह के अनुसार 6 से 9 महीने तक प्रतिदिन लिया जाना चाहिए।

आई.एन.एच. किसे लेना चाहिए?

इसे विशेषकर उन संक्रमित व्यक्तियों द्वारा लिया जाना चाहिए जिनको तपेदिक की बीमारी होने का सर्वाधिक खतरा हो। आपका डॉक्टर आपको बीमारी होने के जोखिम के बारे में बतला सकता है। ऐसे संक्रमित व्यक्ति, जो तपेदिक की बीमारी से पीड़ित व्यक्ति के साथ काफी समय से निकट संपर्क में हैं, को बीमारी होने का सर्वाधिक खतरा रहता है। टी.बी. की बीमारी होने के अधिक खतरे वाले संक्रमित व्यक्तियों के उदाहरण हैं वे व्यक्ति जो एच.आई.वी. से संक्रमित हैं, जिनकी छाती का एक्स–रे "पुरानी तपेदिक" दर्शाता है या जो कुछ खास मेडिकल अवस्था (जैसे मधुमेह) में हैं।

रोकथाम जरूरी है

तपेदिक की रोकथाम आपके स्वास्थ्य तथा आपके नजदीक रहने वालों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

यदि आपको उपचार की सलाह नहीं दी गई है या आप उपचार पूरा नहीं करते हैं तो आपको तपेदिक की बीमारी के लक्षणों की जानकारी होनी चाहिए। यदि आपको बीमारी के कोई संकेत या लक्षण नजर आते हैं तो आपको तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए।